ज्ञान सरोवर में युवा प्रभाग के अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन

ज्ञान सरोवर (आबू पर्वत),१९ मई २०१७ । आज **ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी** संस्था ,युवा प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक **अखिल भारतीय सम्मेलन** का आयोजन हुआ। सम्मलेन की भावना इसके टाइटल संयोजन से प्रकट हो रह थी - **" यूथ @मैडिटेशन.काम (शांति).** इस सम्मलेन में बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधिओं ने भाग लिया . दीप प्रज्वलित करके इस सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

राजयोगिनी डॉक्टर निर्मला दीदी, ज्ञान सरोवर की निदेशक ने आजअपना आशीर्वचन दिया और कहा की शांति की तरंगे फैलाना ही इस संस्था का लक्ष्य है। शांति हम सभी आत्माओं का स्वधर्म है। हम सभी शांत हैं। शांति धाम हमारा घर है और शांति के सागर परमात्मा हमारे पिता हैं। क्रोध करने से सबसे पहले अपना ही रक्त जलता है। अशांति मन में आती है। भूख प्यास मिट जाती है।

योग के अभ्यास से हमारा मन हमारे नियंत्रण में आ जाता है। योग के अभ्यास से हम मन को परमात्मा में टिका पाते हैं और उनसे शक्तियां प्राप्त करते रहते हैं। इन शक्तियों के आधार पर हम अपना जीवन सफल करते रहते हैं। परिश्थितियाँ विकट हैं मगर योग से हम उनके प्रभाव से बाहर निकल पाते हैं। हमारी शिकायतें मिट जाती हैं। अतः आपको राजयोग का अभ्यास करना ही चाहिए।

राजयोगिनी चंद्रिकाबेन जी , राष्ट्रीय संयोजक युवा प्रभाग ने आज के अवसर पर कहा कि युवाओं को स्वयं को भी चार्ज करने के बारे में विचार करना चाहिए। युवा अपने मोबाइल आदि को चार्ज करते ही रहते हैं मगर खुद को चार्ज करने की बारे में सोचते तक नहीं हैं।

आपने युवाओं को बताया की बीता हुआ वक़्त कभी लौट कर नहीं आता। वक़्त काफी कीमती है। उसका सदुपयोग होना चाहिए। अपने अंदर की सोई हुई शक्तियों को बाहर आने दीजिये।समय के यथार्थ सदुपयोग से आतंरिक शक्तियां बाहर आ सकेंगी। हर प्रकार की सफलता प्राप्ति के लिए आप हमेशा स्वयं को ही देखते रहें और साथ में सर्वोच्च सत्ता को देखे और उनसे जुड़ें। इसके अलावा आपको और कुछ भी देखने की जरूरत नहीं है। इन चार दिनों में आप अपने इस शारीरिक स्वरुप से अलग जा जाकर अपने वास्तविक स्वरुप को जानिये और पहचानिये। वही आपकी वास्तविकता है।

अध्वरेशानंद जी स्वामी , अयोध्या ने आज के अवसर पर कहा कि मेरे सामने गजब की द्विविधा आ गयी है की मैं आपको क्या कहूँ - क्या दूँ ? मैं आपसे जानना चाहता हूँ की क्या आपके मन में कभी ये प्रश्न आया की आपका जन्म इस दुनिया में क्यों हुआ है ? क्या आपने कभी खुद से पूछा के आप हैं कौन ? आपने मन को जाना ? कभी मन को रिचार्ज करने का विचार आपके मन में आया ?

ब्रह्माकुमारीज़ माताओं द्वारा संचालित संस्था है। इनको किसी भी सामान्य माता की तरह यह पता है की इस संसार की आज क्या जरूरत हैं। इनको क्या दिया जाए ? आपसे अनुरोध है की इनसे जानिये इन दिनों में और समझिये की आपको करना क्या है ? राजयोग का अभ्यास करिये।

ब्रह्माकुमारी गीता बहन ने राजयोग का अभ्यास कराया और गहन शांति की अनुभूति करवाई। **ब्रह्माकुमार आत्मप्रकाश जी** , युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक , ने आज के अवसर पर पधारे हुए सभी अतिथिओं का स्वागत किया।

छोगा राम देवासी जी - मोटिवेशनल स्पीकर ने आज युवाओं से कहा की आज मुझे यहां एक नया जीवन मिला है। आप सभी भी यहां से काफी कुछ सीख कर जाएंगे। मेरा अनुरोध है की आप इन शिक्षाओं को आत्मासात करने की पूर्ण कोशिश करें। इससे पूर्व गुजरात के उप मुख्यमंत्री **नितिन भाई पटेल** का सद्भावना सन्देश पढ़ कर सुनाया गया। **ब्रह्मा कुमार सुनील** ने युवा प्रभाग द्वारा आने वाले वर्षों में लिए जाने वाले प्रोजेक्ट के वारे में विस्तार से बताय। **ब्रह्मा कुमार रूपेश** ने मंच का सञ्चालन किया। (रपट : **बी के गिरीश ,** मीडिया ,ज्ञान सरोवर)